UNITED NATIONS NATIONS UNIES

बारूदी सुरंगों और विस्फोटक जोखिमों के उन्मूलन के लिये वैश्विक पैरोकार

बारूदी सुरंग जागरूकता और बारूदी सुरंग कार्रवाई में सहायता के लिये
अन्तरराष्ट्रीय दिवस पर सन्देश

न्यूयॉर्क, 4 अप्रैल 2021

मैं, संयुक्त राष्ट्र महासचिव, और अनेक अन्य हस्तियों, कार्यकर्ताओं व चिन्तनशील नागरिकों की आवाज़ में अपनी आवाज़ मिलाते हुए, आज सभी देशों से यह पुकार लगाने में बहुत प्रसन्न हूँ कि वे, दुनिया को बारूदी सुरंगों और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों से मुक्ति दिलाने के अन्तिम लक्ष्य पर अपनी नज़रें टिकाए रखें... इसके लिये पक्के इरादे की दरकार है.

ऐसे समय जब हम इस महामारी की छाया से बाहर निकल रहे हैं, मैं उन सभी पुरुषों व महिलाओं की सराहना करना चाहता हूँ, जिन्होंने समर्पण भाव से अपना नियमित कार्य जारी रखा, और वर्ष 2020 में, लाखों विस्फोटक हटाने व उन्हें नष्ट करने का काम पूरा किया, बारूदी सुरंगों से लेकर, अनफटे बम और संवर्धित विस्फोट उपकरणों (IEDs) तक.

यह कार्य इसलिये जारी रहा, क्योंकि व्यक्तियों, संगठनों और सरकारों ने इस पर ध्यान टिकाए रखा. कम्बोडिया में एक नया सुरक्षित मैदान बनाया गया, चिली ने अपने क्षेत्र को बारूदी सुरंग मुक्त घोषित किया, और बारूदी सुरंग पर प्रतिबन्ध सन्धि में शामिल सभी पक्षों ने, इस दशक के अन्त तक, अपने क्षेत्रों को, मानव-घातक सुरंगों से मुक्त करने की मंशा ज़ाहिर की है.

लेकिन, यहाँ एक नया दूषण है. पिछले महीने, सीरिया में युद्ध के 10 वर्ष पूरे हुए, एक ऐसा हिंसक संघर्ष जिसमें लाखों इनसानों की मौतें हुईं, लाखों विस्थापित हुए और हज़ारो टन नए विस्फोटकों का दूषण फैला. इस लड़ाई को रोकना होगा.

सफ़ाई को, यथाशीघ्र और व्यापक दायरे में शुरू करने की ज़रूरत है. और फिर, पुराना दूषण भी है. वियतनाम युद्ध आधिकारिक रूप में तो, 45 वर्ष पहले समाप्त हो गया था, लेकिन ज़मीन पर बारूदी सुरंगों और विस्फोटकों का जाल अब भी विस्तृत क्षेत्र को प्रदूषित करता है. एक बारूदी सुरंग, किसी समुदाय को तबाह कर सकती है; किसी पिता, माता, और अक्सर किसी बच्चे का जीवन समाप्त कर सकती है.

हमें एक ऐसे विश्व का सपना साकार करने का प्रयास करना होगा, जहाँ व्यक्ति व समुदाय सुरक्षित घरों में रहें, सुरक्षित मैदानों पर, सुरक्षित माहौल में. जहाँ मानवाधिकार, जीवन जीने, स्वाधीनता, निजी सुरक्षा के अधिकार व बुनियादी आवश्यकताएँ पूरी हों, और कोई भी पीछे ना छूट जाए. इनमें, विस्फोटक युद्धक सामग्री के हादसों से जीवित बचे लोगों, घायलों और विकलांग भी शामिल हैं, जिन्हें, उनके समाज में, बराबरी वाले सदस्यों के तौर पर पूर्ण रूप से एकीकृत करना होगा.

4 अप्रैल, बारूदी सुरंग जागरूकता और बारूदी सुरंग कार्रवाई में सहायता के लिये अन्तरराष्ट्रीय दिवस है. इस सपने को साकार करने के लिये, आप चाहे जिस किसी स्थिति में भी हैं, आप यथासम्भव अपना योगदान करें. आइये, इस मुद्दे पर अपना ध्यान टिकाए रखें.